

| | पूर्व | उत्तरं | संधिः | संधानं | अधिलोक | लोकपाङ्क्त |
|-------------|----------|------------|-----------|-------------|------------|-----------------|
| अधिलोकं | पृथिवी | द्यौः | आकाशः | वायुः | अधिदेव | देवपाङ्क्त |
| अधिज्योतिषं | अग्निः | आदित्यः | आपः | वैद्युतः | अधिभूत | भूतपाङ्क्त |
| अधिविद्यं | आचार्यः | अन्तेवासी | विद्या | प्रवचनं | अधिवायु | वायुपाङ्क्त |
| अधिप्रजं | माता | पिता | प्रजा | प्रजननं | अधीन्द्रिय | इन्द्रियपाङ्क्त |
| अध्यात्मं | अधराहनुः | उत्तराहनुः | वाक् | जिह्वा | अधिघातु | घातुपाङ्क्त |
| | भूः=पादौ | भुवः=बाहू | स्वः=शिरः | महः=आत्मा | | |
| अधिलोकं | पृथिवी | अन्तरिक्ष | द्यौः | आदित्य | | |
| अधिदेवं | अग्नि | वायु | आदित्य | चन्द्रमा | | |
| अधिदेवं | ऋक् | साम | यजुः | ऊँ = ब्रह्म | | |
| अधिप्राणः | प्राण | अपान | व्यान | अन्नं | | |

पृथिव्यन्तरिक्षद्यौर्दिशोऽवान्तरदिशाः ।

अग्निर्वायुरादित्यश्चन्द्रमा नक्षत्राणि ।

आप ओषधयो वनस्पतय आकाश आत्मा ।

प्राणो व्यानोऽपान उदानः समानः ।

चक्षुःश्रोत्रं मनो वाक्त्वक् ।

चर्म मांसं स्नावास्थि मज्जा ।